

07-05-25 पत्रावली पैरा हुई। वकील प्रार्थी एवं पैरोकार
राज की बचत पर मनन करने एवं पत्रावली
का सवलोकन करने पर प्रार्थी का प्रपत्र
स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया
जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक् से लिखाया
जाकर संलग्न किया गया। पत्रावली का द
तरीक तकमील होकर दायरिद दफ्तर हो।
निर्णय लिखाया जाकर बुले न्पालप

में सुनाया गया।

2001
07-05-25
(किरण पाल)
RAS